हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 2 जून 2025

तापमान
अधिकतम 32.5 डिग्री
न्यूनतम 22.0 डिग्री

11 मांगों को लेकर मिड-डे मील वर्कर्स का प्रदर्शन

12 नौतपा का आज अंतिम दिन, जेठ में सावन महीने जैसा मौसम

खबर संक्षेप

अल्ट्रासाउंड केंद्र के बाहर खड़ी बाइक चोरी

रेवाड़ी। मॉडल टाउन एरिया में चोर एक अल्ट्रासाउंड केंद्र के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में कसोला निवासी रोहित ने बताया कि वह अल्ट्रासाउंड केंद्र में कार्य करता है। घर से बाइक लेकर वह ड्यूटी पर आया था। बाइक अल्ट्रासाउंड केंद्र के बाहर खड़ी थी। दोपहर के समय वह बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। बाइक उसके जीजा के नाम पर पंजीकृत है। आसपास पूछताछ करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चला। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू कर दी।

पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने पोक्सो सहित विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 30 मई को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था। आरोप है कि नाबालिग बच्ची को कहीं ले जाकर उसके साथ अश्लील हरकत की गई। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद थाना धारूहेड़ा के अधीन एक गांव निवासी आरोपी उदेश को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

उर्वरक कंपनियों पर रोक लगाए सरकार

रेवाड़ी। एसयूसीआई कन्युनिस्ट के राज्य सचिव का. सत्यवान ने कहा कि 13 उर्वरक कंपनियां नमूनों की जांच में किसानों के साथ धोखाधड़ी की जिम्मेदार मिली हैं। इन कंपनियों ने महंगे दामों पर खराब गुणवत्ता का उर्वरक बेचकर किसानों के साथ धोखा किया है। ऐसे उर्वरक से जमीन की उपजाऊ शक्ति पर विपरीत असर पड़ता है। सरकार को इन कंपनियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करते हुए इनके उत्पादन पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगे दामों पर घटिया उर्वरक देना किसानों पर अत्याचार से कम नहीं है।

मारपीट मामले में काबू किए तीन आरोपी

रेवाड़ी। सांपली में जमीनी विवाद के चलते 25 मई को मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कैलाश देवी के बयान पर उसके जेठ के परिवार के सदस्यों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। कैलाश देवी ने उसके पति व अन्य लोगों के साथ मकान बनाने के लिए नींव खुदाई के समय हमला करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने इस मामले में शील कुमार, अजय व अनिल को गिरफ्तार कर लिया। मारपीट में प्रयुक्त डंडे भी पुलिस ने बरामद किए हैं।

नकाबपोश युवक उड़ा ले गए मोटरसाइकिल

रेवाड़ी। मोहल्ला तोपचावाड़ा में नकाबपोश युवक एक बाइक चोरी कर ले गए। सिटी पुलिस को दर्ज शिकायत में सतपाल सैनी ने बताया कि उसने अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वह उठकर बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। उसने अपने पड़ोसी गोविंद के घर के बाहर लगे कैमरे की फुटेज चेक की, तो मुंह पर कपड़ा लपेटे दो युवक बाइक चोरी करते हुए नजर आए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर केस दर्ज करने के बाद चोरी के आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज

रेवाड़ी। जाडरा के निकट अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मूंदी निवासी यशपाल ने 28 मई को पुलिस को सूचना दी थी कि जाडरा के पास एक व्यक्ति सड़क पर मृतावस्था में पड़ा हुआ है।

रेल विभाग की ओर से किया गया था वन विभाग को आवेदन

वन विभाग से नहीं मिली अनुमति, रेल विभाग ने चलाई पेड़ों पर कुल्हाड़ी, जांच के बाद होगा एक्शन

■ अनुमति का इंतजार किए बिना काट दिए दर्जनों पेड़

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

रेल विभाग की ओर से सादलपुर रेलवे लाइन के पास खड़े पेड़ों की कटाई के लिए वन विभाग को अनुमति लेने के लिए आवेदन किया था। वन विभाग की ओर से पेड़ों की सूची तैयार कराई जा रही थी, परंतु अनुमति से पहले ही नांगलमूंदी के पास बड़ी संख्या में सफेदे के पेड़ काट दिए गए। अब वन विभाग जांच कराने के बाद विभाग के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी में जुट गया है। डीएफओ ने रविवार को विभाग के कर्मचारियों को भेजकर मौका मुआयना कराया है।

बरसात के मौसम में रेल लाइनों के आसपास खड़े पेड़ों की टहनियां बढ़कर ओएचई लाइनों के संपर्क में आ जाती हैं। इससे लाइनों के फॉल्ट होने का खतरा बना रहता है। लाइन फॉल्ट होने की स्थिति में इलेक्ट्रिक ट्रेनों का संचालन प्रभावित होता है। मानसून से पहले ऐसे पेड़ों को कटवाने के लिए रेल विभाग की ओर से वन विभाग को अनुमति के लिए आवेदन किया था। नांगलमूंदी के पास सैकड़ों की संख्या में सफेदे के पेड़ रेलवे लाइन के समानांतर खड़े हुए हैं। इन पेड़ों पर वन विभाग की ओर से मार्किंग की हुई है, जिससे यह वन विभाग की संपत्ति मानी जाती है। सूत्रों के अनुसार अनुमति से पहले वन विभाग की ओर से ऐसे पेड़ों की सूची तैयार कराई जा रही थी, जो रेल लाइन के ऊपर से गुजर रही ओवरहेड लाइनों के संपर्क में आने की स्थिति में हैं। विभाग की ओर से अनुमति दिए जाने से पहले ही रेल विभाग के कर्मचारियों ने सफेदे के पेड़ों को काटना शुरू कर दिया।

रेवाड़ी। नांगल मूंदी के पास सफेदे के पेड़ काटते रेल विभाग के कर्मचारी, रेलवे लाइन के पास काटे गए सफेदे के पेड़, पेड़ काटने के लिए मौके पर पहुंची रेल विभाग की गाड़ी।

साद‌लपुर रेल लाइन पर शुरू किया कार्य

रेल विभाग की ओर से अब सादलपुर रेल लाइन के दोनों ओर खड़े पेड़ों की टहनियां काटने का कार्य शुरू किया गया है। लिफ्टिंग मशीन की सहायता से नांगल मूंदी के आसपास विभाग के कर्मचारियों ने पेड़ों की टहनियां काटने का कार्य शुरू कर दिया। विभाग के एक इंजीनियर नीरज ने बताया कि अभी लाइनों से दूसर खड़े पेड़ों की टहनियां काटी जा रही हैं। जिन पेड़ों की टहनियां ओएचई लाइनों को टच कर रही हैं, उन्हें काटने के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। लाइन बंद कराने के बाद ही इन टहनियों को काटा जा सकेगा। इससे ब्लॉक लेने के समय रेल यातायात भी प्रभावित रहेगा।

दस से बीस फीट हाइट से काटे पेड़

अगर वन विभाग की ओर से पेड़ काटने की अनुमति दी जाती, तो पेड़ों को जमीन के बराबर से काटा जाना था। रेल विभाग के कर्मचारियों ने जमीन से दस से बीस फीट तक की ऊंचाई से काटा है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि रेल विभाग पेड़ों की टहनियां को काट सकता है, परंतु बिना अनुमति मार्किंग वाले पेड़ों को काटना पूरी तरह गैर कानूनी है। ऐसे में एक विभाग दूसरे विभाग के खिलाफ कार्रवाई अमल में ला सकता है। इसके लिए डीएफओ ने फोरेस्ट गार्ड को मौके पर भेजकर काटे गए पेड़ों के बारे में जानकारी जुटाकर रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

खतरा टालने के लिए विभाग एक्टिव

रेलवे लाइनों के आसपास दोनों ओर बड़ी संख्या में पेड़ खड़े हैं। इन पेड़ों की टहनियां बढ़कर रेलवे लाइनों की ओएचई बिजली लाइनों तक पहुंच जाती हैं। आंधी के समय यह टहनियां टूटकर तारों पर गिर जाती हैं, जिले तार टूटने की आशंका पैदा हो जाती है। बरसात के समय टहनियां गीली होने अर्थिंग हो जाती है। इससे बिजली की लाइन फॉल्ट हो जाती है। एक बार लाइन फॉल्ट होते ही संबंधित रेल लाइन पर यातायात बाधित हो जाता है। तेज आंधी आने पर कई बार लाइनों के किनारे खड़े पेड़ भी टूटकर बिजली के वायर व पोल क्षतिग्रस्त करने का काम करते हैं।

विभाग की ओर से नहीं दी अनुमति

रेल विभाग की ओर से रेलवे लाइन के आसपास पेड़ काटने के लिए अनुमति का आवेदन किया था। इसके बाद वन विभाग ऐसे पेड़ों की लिस्ट तैयार करा रहा है। अभी तक रेल विभाग को अनुमति नहीं दी गई है। पेड़ काटने के मामले में गार्ड मौके पर भेजकर रिपोर्ट तैयार कराई जा रही है। इसके बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

-दीपक प्रभाकर पाटिल, डीएफओ।

गत वर्ष औलांत के पास टूट गए थे पोल

गत वर्ष मानसून के दौरान सादलपुर रेल मार्ग पर औलांत के पास पेड़ टूटकर ओएचई लाइन पर गिर गया था। इससे कई पोल क्षतिग्रस्त होकर झुक गए थे। बिजली लाइन बंद होने से लगभग दो दिन तक रेल यातायात बाधित रहा था। रेल विभाग के इंजीनियरों और कर्मचारियों ने घंटों की मशक्कत के बाद ओएचई लाइन को दुरुस्त किया था। इस दौरान बीच-बीच में डीजन इंजन से चलने वाली ट्रेनों को रवाना किया गया था, जबकि इलेक्ट्रिक इंजनों का संचालन दो दिन तक इस मार्ग पर बंद रहा था। यही कारण है कि मानसून से पहले ही पेड़ों की टहनियां काटने का कार्य शुरू किया गया है।

बाइक की टक्कर से स्कूटी चालक की मौत, दूसरा चालक गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

■ घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया

■ पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया

झज्जर रोड फ्लाईओवर पर शनिवार देर रात एक स्कूटी और बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी चालक युवक की मौत हो गई। हादसे में बाइक चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। गांव गोकलगढ़ निवासी 30 वर्षीय संदीप सैनी की शहर के बारा हजारी मोहल्ले में मसाला पिसाई की मिल है। वह रात को मिल से स्कूटी लेकर अपने घर जा रहा था। फ्लाईओवर पर सामने से आ रही बाइक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां संदीप को मृत घोषित कर दिया गया। इस हादसे में रोहड़ाई निवासी बाइक चालक धीरज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एक प्राइवेट अस्पताल में दाखिल कराया गया है। संदीप तीन बहनों का इकलौता भाई था। उसके पिता का पहले ही निधन हो चुका है। संदीप की शादी भी करीब ढाई साल पहले ही हुई थी। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया है।

चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

■ उनके कब्जे से चोरी की बाइक व नकदी बरामद की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सिटी पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी की बाइक व नकदी बरामद की गई है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। तोपचीवाड़ा मोहल्ला निवासी सतपाल सैनी ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि उसने अपनी बाइक रात को मकान के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वह मकान से बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। पुलिस ने उसकी शिकायत पर 31 मई को बाइक चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले धक्का बस्ती निवासी जोनी सैनी उर्फ सुल्तान व दीपक उर्फ कालिया को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की गई है। आरोपियों के पास से 2200 रुपये पुलिस ने कब्जे में लिए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी जोनी सैनी के खिलाफ पहले भी चोरी, आर्म्स एक्ट व अन्य धाराओं के तहत 12 मामले दर्ज हैं। इस समय वह जमानत पर चल रहा था। दोनों को पुलिस ने पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है।

रेवाड़ी। चोरी की बाइक के साथ पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ।

पुलिस ने रोहित हत्याकांड का आरोपी लिया रिमांड पर

■ रिमांड के दौरान उससे हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जाटूवास के पास बीते शुक्रवार की रात युवक की चाकू से गोदकर हत्या करने के मामले में मॉडल टाउन थाना पुलिस ने आरोपी को रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान उससे हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद किया जाएगा। पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। गत 30 मई की रात भाड़ावास निवासी रोहित घर से निकलने के बाद लापता हो गया था। इसके बाद उसका शव जाटूवास में कृष्ण के खेत में पड़ा मिला था। मृतक की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने उसके पिता प्रदीप के बयान पर हत्या का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। पुलिस ने हत्या की गुत्थी तत्काल सुलझाते हुए जैतड़ावास निवासी नागर को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान नागर ने पुलिस को बताया कि वह और रोहित दोनों रात को शराब पी रहे थे। इसी दौरान उसका रोहित के साथ विवाद हो गया। रोहित को ज्यादा नशा होने के बाद उसने उस पर चाकुओं से हमला कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद रिमांड पर लिया है।

रेवाड़ी। हत्या का आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो :हरिभूमि

फर्जी नंबर प्लेट लगी चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना कसोला पुलिस ने सुठानी बस स्टैंड के पास फर्जी नंबर प्लेट लगी चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस बाइक चोर का पता लगाने के प्रयास कर रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। सुठानी बस स्टैंड के पास वाहनों की चेकिंग के लिए की गई नाकेबंदी के दौरान पुलिसने एक बाइक को रुकवाकर चेक किया। बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर चालानिंग मशीन में डाले तो वह इंजन और चेसिस नंबर से मैच नहीं कर रहे थे। चालक से बाइक के कागजात दिखाने को कहा तो वह कागजात पेश नहीं कर पाया। बाइक चालक राजस्थान के कुम्हारहेड़ी निवासी मोहित से पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि यह बाइक उसने 8 हजार रुपये में एक अनजान व्यक्ति से खरीदी थी। उसे बाइक चोरी की होने का पता था, परंतु लालच में आकर उसने बाइक खरीद ली। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही बाइक समेत गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले व्यक्ति का पता लगाने की कौशिश शुरू कर दी।

रेवाड़ी। चोरी की बाइक के साथ आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो :हरिभूमि

चौथे साथी की तलाश की जा रही, आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया

नमन हत्याकांड में सीआईए ने काबू किए तीन आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गत 24 मई को कुतुबपुर में दो युवकों पर हमला करने के बाद एक युवक की मौत मामले में सीआईए ने हत्या के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके चौथे साथी की तलाश की जा रही है। आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। कुतुबपुर निवासी नितेश ने रामपुरा पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि उसके पास 25 मई की शाम को उसका दोस्त कुतुबपुर निवासी नमन आया था। इसके बाद वह और नमन उसकी स्कूटी से फ्लाईओवर के नीचे से नाईवाली चौक की ओर जा रहे थे। उसने आरोप लगाया था कि कुतुबपुर निवासी नितिन उर्फ डब्लू, हैप्पी, हेमंत उर्फ प्रियांशु व खजेला ने आगे खड़े होकर स्कूटी रुकवा ली। इसके बाद इन लोगों ने नमन और उस पर हमला कर दिया। दोनों को डंडों से पीटना शुरू कर दिया। नमन जान बचाकर भागने लगा तो इन लोगों ने उस पर सुएं से वार कर दिए। चोट मारने के बाद आरोपी धमकी देकर वहां से चले गए। मोहल्ला निवासी गुलशन ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। मारपीट में नमन को गंभीर चोटें आई थीं। उसे पहले ट्रॉमा सेंटर दाखिल कराया था। बाद में परिजन गंभीरावस्था में उसे प्राइवेट अस्पताल ले गए थे। थाना रामपुरा पुलिस ने 25 मई को नितेश के बयान पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। अस्पताल में उपचार के दौरान बीते वीरवार की रात नमन ने दम तोड़ दिया था।

रेवाड़ी। हत्या के आरोप में पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ। फोटो :हरिभूमि

इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

नमन हत्याकांड में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सीआईए ने जाल बिछा दिया था। सीआईए ने इस मामले में कुतुबपुर निवासी नितिन, पुनीत व हेमंत को गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है, जिसकी तलाश की जा रही है। नमन अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी मौत के बाद पूरा परिवार सदमे से बाहर नहीं निकल पाया है।

रेलवे स्टेशन पर महिला के गले की चेन चोरी

रेवाड़ी। रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री की सोने की चेन चोरी हो गई। जीआरपी ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

जीआरपी को दर्ज शिकायत में गुलाबी बाग निवासी मीनू देवी ने बताया कि वह अपने बच्चों के साथ दिल्ली जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर आई थी। हिसार-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन में चढ़ते हुए किसी ने भीड़ का फायदा उठाते हुए उसके गले की सोने की चेन चोरी कर ली। ट्रेन में चढ़ने के बाद उसे गले से चेन गायब मिली, तो उसने यात्रियों से पूछताछ की। इसके बावजूद चेन के बारे में कोई पता नहीं चला। जीआरपी ने महिला की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज कर लिया।

दशोटन

पहले लड़के के जन्म पर दादा 'दशोटन' किया करता था जिसमें वह सारे गाँव तथा आस-पास के गाँवों के लोगों को भोज पर आमंत्रित करता था। 'दशोटन' एक प्रकार का बड़ा भोज होता है, जिसमें परिवार के मुखिया की शान-शौकत का पता चलता था। आजकल यह प्रथा लुप्त प्रायः है। सारा परिवार शिशु के लाड़-लड़ाने तथा पोषण में व्यस्त हो जाता है। परिवार में वंशवृद्धि की सब खुशियाँ मनाते हैं लेकिन 'दशोटन' अब कहीं-कहीं ही देखने को मिलता है।

लुप्त हो रही सांस्कृतिक धरोहर जन्म संस्कार

परम्पराएं

डा. रमाकान्ता

प्राचीन उपनिषदों में हिन्दू धर्म के अनुसार प्रत्येक मानव के लिए जन्म से लेकर मृत्यु तक सोलह संस्कारों का निर्वहन करना अनिवार्य बताया गया है। इनमें गर्भ में (जन्म पूर्व) तीन संस्कार गर्भधारण, पुंसवन, सीमन्तोनयन, जन्म के बाद चार संस्कार, जातकर्म निष्क्रमण,अन्नपूर्णा चूड़ामणि संस्कार हैं।

वैवाहिक संस्कारों में पिशाच विवाह, राक्षस विवाह, गंधर्व विवाह, आयुर्वेद विवाह प्राजापत्य विवाह,आर्ष विवाह, दैव विवाह एवं ब्राह्मण विवाह, सात प्रकार के विवाह माने गए हैं। सोलहवां तथाअंतिम संस्कार मृत्यु संस्कार माना गया है। संस्कार किसी भी प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत होते हैं जिसमें उस प्रदेश के समाज की परंपराएं,धार्मिक-सामाजिक मान्यताएं-आस्थाएं मूल रूप में प्रतिबिंबित होती हैं। इनका संरक्षण करने का दायित्व समाज की नई पीढ़ी का होता है। संस्कारों की एक श्रृंखला का लुप्त होना आने वाली पीढ़ी का समाज की धरोहर से वंचित होना है। वही संस्कृति दीर्घकालिक अस्तित्व में रहती है जिसकी परंपराएं जीवित हैं।

हरियाणा प्रदेश में जन्म संबंधी संस्कारों में गर्भधारण के पश्चात सर्वप्रथम सातवें मास में गर्भवती की गोद भराई की रस्म की जाती है। उस के सफल प्रसव तथा पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया जाता है। उसे पीहर ससुराल पक्ष के लोग उपहार देते हैं। इस अवसर पर मंगल गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर गाया जाने वाला लोक मंगल गीत इस प्रकार है :

पाँच पतासे पन्ना का बिडला, ले गणपत पै जाईयो जी,
पाँच पतासे लौगा का जोड़ा, ले पितरां थै जाईयो जी

शिशु जन्म के बाद सभी रीतियों को संपन्न करते समय मंगल गीत के साथ जज्चा गीत गाए जाते हैं।

इन गीतों में गर्भधारणा से लेकर ओजणे, कड़सूले, दाई गीत, होलर तथा व्यंग्य-हास्य गीत गाए जाते हैं :

मनै भावैं कराले के बेर रपैये के सेर, मेरा री मन बेर नै
सुसरे आगै अरज करूँ थी, मैनें हरी-हरी दाख मँगा द्यो जी

गर्भ धारण करने के पश्चात गर्भवती की खान-पान रुचि बदल जाती है कभी उसे उल्टी की शिकायत होती है तो कभी खाने की वस्तुओं में से दुर्गन्ध आती है। उसका मन नित नई चीजे (खट्टी-मीठी) खाने को करता है। इनमें बेर, मतीरा, आम, गोला, सिंघाड़ा, सांभर फली, दाख प्रमुख है।

कड़सूले : कड़सूले का अर्थ है 'प्रसव की झूठी पीड़ा'। प्रसव से पूर्व गर्भवती को प्रसव पीड़ा का आभास होता है, इसे 'नकली दर्द' भी कहा जाता है। इस अवस्था में गर्भवती तथा घर वालों के हाथ पैर फूल जाते है तथा झटपट दाई को शीघ्र बुलाकर लाने की व्यवस्था की जाती है -

भाज-लूज कै नै सासू धोरै आई, दाई नै बुला दे री
सास मेरी कड़ म्हं दर्द सै
पड़दे के ओल्हे राजा, खड़्या-खड़्या डोलै
कहो तै जच्चा दाई नै ल्यावां रै बुलाय

लोक भाषा में 'कड़सूल कड़ तथा सूल अर्थात, कड़ का अर्थ कमर एवं सूल का अर्थ दर्द। प्रसव में उठने वाली कमर की दर्द।

स्वप्न : प्रसव से पूर्व गर्भवती को कई प्रकार के सपने आते हैं। वह सपने में स्वयं को पीला (पीलिया) ओढ़े हुए देखती है। पीलिया दिखाई देना पुत्र जन्म का संकेत माना जाता है। एक गीत प्रस्तुत है:

लाल पिलंग पै पिलियो धर सोई जी

प्रसव: प्रसव पीड़ी कव तीव्रता को भाँपते हुए घर की बड़ी - बूढ़ी, दाई अन्य समझदार महिला को बुलाकर लाने का आदेश गर्भवती अपने पति को देती है। इस अवर पर गर्भवती की मानसिक तथा शारीरिक अवस्था का चित्रण जन्म संबंधी लोक गीतों में सुन्दर ढंग से मिलता है -

नीची-नीच बगड़ बुहारूँ, दर्द उठ्या सै कमर महं
म्हारे पोहर तैं भंवर जो, माए बुला द्यो जी

शिशु जन्म : शिशु जन्म की घड़ी आ जाती है। जन्म होते ही थाल बजाकर गाँव को सूचित कर दिया जाता है। प्राचीन लोक परिवेश में समाज में पुत्र-जन्म की कामना की जाती थी। इतिहास साक्षी है कि पुत्री को जन्म के समय ही मार दिया जाता था अथवा पुत्री को सम्मान प्राप्त न था। पुत्री जन्म पर परिवार में शोक मनाया जाता था। उस के जन्म पर रीतियाँ सम्पन्न नहीं होती थी। यही कारण है कि लड़का-लड़की के अनुपात में भारी अन्तर आ गया। पुत्री जन्म पर गाए जाने वाले मार्मिक गीत उस समय की समाज की संकीर्ण मानसिकता के परिचायक हैं -

जिदिन लाडो तेरा जन्म होया था
एक रंगमहल की कूण, कन्या नै जन्म लिया

आज परिस्थितियाँ बिल्कुल बदल गई हैं। आज बेटी के जन्म पर खुशियाँ मनाई जाती है, पीलिया भेजा जाता है, कुआं पूजन होता है। बिरादरी तथा मित्रों में सहभोज दिया जाता है। यह परिवर्तन यकायक नही आया। बेटियाँ परिवार में बेटों से बढ़कर स्वयं को योग्य प्रमाणित कर रही है। यह सब शिक्षा के प्रचार-प्रसार के कारण ही संभव हो पाया है। आज बेटियाँ समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता प्रभावित कर रही हैं। अतः एक बेटी के जन्म से ही माता-पिता संतुष्ट हो जाते हैं तथा अन्य सन्तान की इच्छा ही नहीं रखते।

शिशु जन्म : वैज्ञानिक तथा जैनिक प्रक्रिया पूर्ण होने पर शिशु का जन्म हो जाता है। शिशु जन्म के पश्चात गर्भवती को 'प्रसूता' तथा लोकभाषा में 'जच्चा' कहा जाता है। शिशु-जन्म के पश्चात जच्चा-बच्चा को गर्म जल से स्नान कराया जाता है।

छुआणी : प्रसव के पश्चात जच्चा को गुड़, अजवायन, जीरा सौंफ तथा बादाम की तरल 'छुआणी' (पेय पदार्थ) गर्म-गर्म पिलाई जाती है। छुआणी प्रसव पीड़ा को दूर करती है तथा गर्भ के मल को साफ कर शरीर में स्फूर्ति का संचार करती है।

घुट्टी पिलाना : जन्म के बाद शिशु को सर्वप्रथम शहद की 'घुट्टी' पिलाई जाती है। घुट्टी परिवार की वृद्ध स्त्री, माता अथवा बुआ द्वारा पिलाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्र में यह विश्वास किया जाता है कि शिशु घुट्टी पिलाने वाले व्यक्ति के अनुरूप गुणों वाला होता है इसलिए शिशु को घुट्टी पिलाने के लिए, ज्ञानवान, बुद्धिमान तथा गुणवान व्यक्ति का चयन किया जाता है। घुट्टी के रूप में शिशु की जीभ पर आस्थानुसार राम, ऊ अथवा राधे लिखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से शहद शिशु के पेट के मल को साफ करता है।

दुधी धुलाना :शिशु को स्तन-पान कराने से पूर्व जच्चा के स्तनों को अच्छी तरह गंगाजल, दूध और दूध से साफ तथा कीटाणु रहित किया

> लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है।

जाता है। इस प्रक्रिया से जच्चा के स्तनों के बाद छिद्र खुल जाते है तथा स्तनों के ऊपर तथा आस-पास जमा हुआ कालापन भी साफ हो जाता है। माँ का दूध (स्तनपान) शिशु के लिए उत्तम आहार माना जाता है। माँ के दूध में सभी प्रकार के पौष्टिक तत्व होते है। दूधी धुलाने की रीत घर की बेटी अथवा बुआ द्वारा सम्पन्न कराई जाती है उसे इस के लिए शगुन दिया जाता है।

नहाण बार केरे की रीत :शिशु जन्म के दूसरे अथवा तीसरे दिन 'नहाण बार' अथवा केरा घालने की रीत सम्पन्न की जाती है। जच्चा के कमरे के बाहर ओर एक ओर सातिए तथा दूसरी ओर छाबड़ी मंगल चिन्ह के रूप में गोबर द्वारा बनाए जाते हैं। ये दोनों शिशु जन्म के शुभ संकेत माने जाते हैं। इन के आगे वस्त्र (तीयल) तथा गेहूँ के दाने भी रखे जाते हैं। पड़ौस की महिलाएं 'केरे' के रूप में गेहँ के दाने अपने घरों से लाती है तथा पास रखी परात अथवा तसले में डाल देती हैं। यह भी एक प्रकार का शगुन माना जाता है। इन गेहूँ के दानों को घर की बेटी अथवा नाईन ले जाती है। इस अवसर पर मंगल गीत, पितर गीत तौर जच्चा गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर जच्चा के हँसी-ठिठोली करने के लिए, सीठने जैसे व्यंग्य गीत तथा हास्य गीत गाए जाते हैं।

छटी गीत इस प्रकार है :

रात छटी का आई खुशी हुई गात म्हं
पहली बधाई उसके दादा नै होवै
जिस की बेल बधाई, खुशी हुई गात क्हँ

शिशु जन्म के छटे दिन छटी मनाई जाती है। लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है। इस दिन 'बेमाता' के स्वागत में कई प्रकार के पकवान बनाए जाते है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि छठी के दिन सब कुछ खा लेने के बाद जच्चा सब कुछ खाना आरम्भ कर देती है जो शिशु को कोई नुकसान नहीं पहुँचाता है।

सूतक लगना एवं शुद्धिकरण : जिस परिवार में शिशु जन्म लेता है उस परिवार में सूतक लग जाता है। सूतक से अभिप्रायः है 'अशुचिता' अर्थात 'अशुद्धता'। उस घर के मन्दिर में कुछ समय के लिए ज्योत-बत्ती भी नही लगाई जाती। घर के सदस्य किसी पूजा-पाठ में भी भाग नहीं ले सकते। पानी के साधन घड़ादि भी हटा दिए जाते है। 11-12वें दिन घर में यज्ञ करवाने के बाद घर का शुद्धिकरण किया जाता है। सूतक एक दादा की सभी पुत्र संतानों के घर लग जाता है।

पीहर में भेली भेजना : शिशु जन्म के पश्चात शिशु जन्म की सूचना के रूप में जच्चा के पीहर में गुड़ की भेली भेजी जाती है। पहले समय में यह पुत्र-जन्म पर ही भेजी जाती थी। भेली ससुर अथवा जेठ लेकर जाता था। वहाँ उसे शगुन रूप में धनराशि दी जाती थी। भेली भेजना शिशु जन्म का सूचक है। कुँआ पूजन के पश्चात बहन-बेटियों को उचित नेग देकर विदा किया जाता है। जन्म की इन परम्पराओं में से अधिकतर नेग-टेहले लुप्त हो गए हैं। आज की पीढ़ी की महिलाएं इन के नाम तक नहीं जानती। इस का मूल कारण यह है कि आजकल प्रसव पुरानी परम्परा के अनुसार निपुण 'दाईयों' से न करवाकर हस्पतालों में करवाया जाता है। प्रसव बाद के नेग-टेहले वहाँ सम्पन्न नहीं किए जाते। आज आवश्यकता है कि आने वाली पीढ़ी को इन परम्पराओं से अवगत अवश्य कराया जाना चाहिए।

कविता | **महेन्द्र सिंह बिलोटिया**

जीवन वैतरणी

गुरु की आज्ञा मोक्ष दिखावै ध्यान हरि का धर जागा
ज्ञान, ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जाएगा

माता-पिता गुरु की सेवा करनी चाहिए चित लाकै
सेवा करकै पार हुवै या तू देख लिए मेवा खाकै
पुत्र चाहवै तो सन्त की सेवा मोह माया बिसराकै
धन चाहवै तो धर्म करा कर तीर्थों पै जा जाकै
भुखे न भोजन करवाकै,ताज शीश पर धर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

विद्वानों की सेवा कर जब मां सरस्वती का वासा हो
गऊ के घी में हवन करा कर कद्दे नहीं निराशा हो
पर त्रिया तै बचकै रहिये जब वंश बेल की आशा हो
अतिथि की सेवा करिये जब सफल तेरा घरवासा हो
आदम देह नै रासा हो ,जब चढ़ा पाप का भर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

चुगली चाटी करणिया मानस गुगा और बहरा हो
नाविक बिन नैया डूबै यो ज्ञान का दरिया गहरा हो
वो नर मुक्ति पावैगा जो श्री गुरु चरण मैं रहरा हो
नुगरे का कुण करै भरोसा जो सब तरिया तै बहरा हो
जो सत्संग न लहरा हो,वो अपने आप समर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

जो वेद शास्त्र रटले मानस वो वेदाचारी रहा करै
बिना भुख चाहें मेवा खाले वाह भी खारी रहा करै
दादा मांगेराम की सेवा कर वो आज्ञाकारी रहा करै
गुरु अमरसिंह बिलोटे आला वो अटल अटारी रहा करै
जडै गरुड़ सवारी रहा करै,तू महेंद्र सिंह डिगर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

कविता | **संदीप शर्मा**

साँझ निगोड़ी

ढळ-ढळ जावै नित ,साँझ निगोड़ी !
सांस चलैं सैं पर , जिंदगी तो थोड़ी !

आधी तो सोकै खोई ,रोकै भी खोई गई
लोभ और त्रिया मैं ,माया मैं मोही गई
बणना भी चाहुँ था मैं, सेठ किरोड़ी !

विषयों का पान कर् या, तन भी बिरान कर् या
राम नै दी जिंदगी का, मनैं अपमान कर् या
चढ़-चढ़ चाल्या मैं तो, ख्यालां की घोड़ी !

पढ़ अनजाण होया, खुद का ना ज्ञान होया
जन्म मनुष का हीरा, पशुआं समान होया
टूटी नहीं रै मेरी ,घमंड की ज्योड़ी !

मोती भी सीप होज्या ,जलता जै दीप होज्या
करले भलाई जै तूं , पार संदीप होज्या
ना तै सूखी जा सै तेरी, सासां की जोहड़ी !

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

दरकते रिश्ते | पहले एक-दूसरे के यहां आने-जाने से रिश्ते मजबूत होते थे और उनमें भावनात्मक लगाव पैदा होता था, अब पहले वाली बात नहीं रही

अब रिश्तेदारियों में नहीं , पर्यटन स्थलों पर बीत रहीं छुट्टियां

परिवेश

राज कुमार नरवाल

विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं। पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ने वाली है। सब होटल फुल हो जाएंगे और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहेगी। देशभर से लोग अपने परिवार के साथ वहां पहुंचेंगे तो अव्यवस्था होना लाजमी है। प्रशासन को भीड़ को कंट्रोल करने और उनके लिए व्यवस्था बनाने में भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। पर्यटन स्थलों पर साफ सफाई करना भी स्थानीय प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

पहले गर्मी की छुट्टियों में लोग अपने बच्चों को पर्यटन स्थलों पर न ले जाकर नाना-नानी, बुआ या मौसी के पास ले जाते थे। ऐसा करने से रिश्ते मजबूत होते थे। रिश्तेदारों के बीच भावनात्मक लगाव पैदा होता था। अब लोग अपने बच्चों को रिश्तेदारियों में नहीं ले जाते। बचपन घरों में कैद हो गया है। एक दूसरे की देखा देखी या अपनी शान ओ शौकत दिखाने के लिए लोग पर्यटन स्थलों पर जाना पसंद करते हैं। शहरी बच्चे छुट्टियों में गांव चले जाते थे। इस दौरान उन्हें ग्राम्य जीवन के बारे में

जानने का मौका मिलता था। खेतों में उगाई जाने वाली सब्जियों, हरा चारा और अन्य फसलों की जानकारी हो जाती थी। खेतों में पेड़ पौधों और नदियों, नहरों, रजवाहों और खेतों की सिंचाई प्रक्रिया जानने का मौका मिलता था। खेती बाड़ी, पशुपालन के अलावा वहां के खान-पान और रहन-सहन की पूरी जानकारी मिल जाती थी।

दूध दुहना और दूध बिलौना सीखते थे। वहां के रीति-रिवाज और संस्कृति को जानने का मौका मिलता था। गांव के जोहड़ में बच्चे तैरना सीख जाते थे। रात को सोते समय नाना-नानी, मौसा-मौसी अथवा बुआ-फूफा बच्चों को शिक्षाप्रद कहानियां सुनाते थे, ये शिक्षाएं बच्चों के जीवन में काम आती थी। पिछले कुछ दशकों में रिश्तेदारों के बीच आपसी मेल-जोल में कमी और संबंधों में खटास आई है। इसका खामियाजा बच्चे भुगत रहे हैं। लोगों ने रिश्तेदारियों में जाना कम कर दिया है।

लोग अपने बच्चों को तो रिश्तेदारी में भेजना बिल्कुल भी पसंद नहीं करते। जिस वजह से अगली पीढ़ी के बीच भावनात्मक लगाव नहीं बन पाता और रिश्ते केवल दिखावे के रह गए हैं। ऐसे में ब्याह-शादी के आयोजनों में रिश्तेदारों का शामिल होना भी केवल खानापूर्ति ही रह गया है। पहले रिश्तेदार के सुख-दुख में लोग दिल से शामिल होते थे। कोई बीमार हो जाता अथवा किसी की मौत हो जाती तो रिश्तेदारों को काफी दुख पहुंचता था। अब शोक और बीमारी में रिश्तेदारी में जाना केवल मजबूरी भर रह गया है। इसकी वजह यही है कि बच्चों को हम रिश्तेदारियों में आने-जाने का मौका ही नहीं देते। जिस वजह से अगली पीढ़ियों के बीच मेलजोल नहीं बन पाता, वरना रिश्तेदारियां पीढ़ी दर पीढ़ी चलती थी।

गर्मी की छुट्टियों में हुनर सीखते थे बच्चे

गर्मी की छुट्टियों में लड़कियां घर के काम-काज करना सीखती थी ताकि ससुराल में उन्हें खाना बनाने और घर के दूसरे काम करने में दिक्कत न आए। माताएं लड़कियों को तरह-तरह के अचार बनाना और कपड़े सीलना सिखाती थी। इसी तरह पिता अपने बेटों को छुट्टियों में खेतों में ले जाते थे। उनसे खेत के काम करवाते थे। पशुओं को पानी पिलाने, उनको नहलाने और चराने का काम सिखाया जाता था। जिन लोगों के पास पशुपालन व खेती बाड़ी का काम नहीं होता था, उनके बच्चे रिश्तेदारियों में जाते थे, तो वहां पर वे ये काम सीख लेते थे।

अपरिचित जगहों पर होने लगी हैं शादियां

पहले रिश्तेदारों के जरिए ही युवक-युवतियों के ब्याह सगाई होते थे। बच्चे रिश्तेदारियों में आते जाते थे, तो उनके बारे में रिश्तेदारों को पूरी जानकारी होती थी। उनकी पढ़ाई लिखाई, उनके स्वभाव और उनके हुनर की पूरी जानकारी होती थी। लेकिन अब रिश्तेदारों तक को यह नहीं पता होता कि उक्त रिश्तेदार का बेटा या बेटी में क्या हुनर है और उनका स्वभाव कैसा है। पहले बताया जाता था कि हमारे फलां रिश्तेदार की बेटी या बेटा ऐसे हैं और तुम्हारे लिए यह रिश्ता बिल्कुल अनुकूल है। अब बिना परिचय वाली जगह से रिश्ते बनते हैं और जल्दी ही वे टूट भी जाते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

संबंध : रिश्तों में आपसी संबंध मधुर और मजबूत होने चाहिए। इसके लिए एक-दूसरे का सम्मान, विश्वास और सहयोग आवश्यक है। साथ ही, समय-समय पर मिल-जुल कर बातचीत करते रहना भी ज़रूरी है।

सम्मान और विश्वास: एक-दूसरे के विचारों, भावनाओं और रुचियों का सम्मान करना चाहिए। विश्वास रिश्ते की नींव है, इसलिए एक-दूसरे पर भरोसा करना चाहिए।

सहयोग: मुसीबत के समय एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। यह सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाता है।

क्षमाशील होना: एक-दूसरे की गलतियों को माफ करना चाहिए। इससे रिश्ते में प्यार और विश्वास बना रहता है।

संचार : नियमित रूप से एक-दूसरे से बात करते रहना चाहिए। यह रिश्तों को मजबूत बनाता है।

फिल्मों की कहानियां देती हैं सकारात्मक संदेश : संजय सैनी

कलाकार | **ओ.पी. पाल**

हरियाणवी कलाकारों ने प्रादेशिक संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं की पहचान देश-विदेश तक पहुंचाई है, जिसमें हरियाणवी फिल्मों, लोक संस्कृति से जुड़ी रागनी, सांग तथा लोक संगीत के क्षेत्र की अलग विधाओं में कलाकारों का हुनर अपनी अलग ही पहचान रखता है। ऐसे ही कलाकार हैं संजय संजू सैनी, जिन्होंने एक छोटे से गांव से बॉलीवुड तक अपने अभिनय का सफर तय किया है। उन्होंने कई फिल्मों और वेबसीरीज की कहानियां लिखीं और उन पर बनी फिल्मों का निर्देशन के साथ-साथ अभिनय भी किया है। उन्होंने अपने लेखन, फिल्म अभिनय और निर्देशन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया, जिसमें कला की हर विधा समाजिक सरोकार के मुद्दों में सकारात्मक संदेशों का समावेश करने में सक्षम है।

हरियाणा संस्कृति संवर्धन में जुटे लेखक एवं निर्देशक संजय संजू सैनी का जन्म 10 अक्टूबर 1990 को जींद जिले के गांव बरौली में एक किसान परिवार में कंवर सिंह और इंदू देवी के घर में हुआ। इनके पिता हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग में अध्यापक पद पर कार्यरत रहे, जबकि माता गृहिणी हैं। इनके पिता नौकरी करने के अलावा खेती-बाड़ी में भी हाथ बंटाते थे। परिवार में इनके चाचा पंजाबी भाषा के अध्यापक हैं, जो सुरजीत बिंदरखिया की कैसेट लाते थे। शायद उसी के कारण उन्हें बचपन में कला व संगीत में अभिरुचि होने लगी।

उनके गांव की ही एक टोली रागनी गाने और घढ़वे-बैंजो बजाती थी, तो वह भी चोरी छिपे उनके साथ रहता था। बकौल संजय सैनी, पहली बार उन्हें लिखने का एहसास उस समय हुआ था, जब उनके दोस्त के उपर प्रस्ताव लिखना था। संजू ने मॉय बेस्ट फ्रेंड को अलग-अलग तरीक़े से चार बार लिख दिया था। इसमें एक बार हास्य, फिर दुख, इसके बाद गंभीर और अंत में गुस्सैल तरीके से लिखा, तो उनके अध्यापक ने उनकी पीठ थपथपाई थी। दरअसल यह लिखने का कारण था कि सबके दोस्त एक जैसे कैसे हो सकते है? उन्होंने बताया कि एक बार वह अपने दोस्त के साथ गलती से 'चंडीगढ में पंजाब कला भवन सेक्टर 16 गया, जहां उन्होंने मंचन देखा और फिर वहीं का होकर रह गया। नकी पहली कृति एक कविता थी, जो कि एक न्यूज़ चैनल की वेबसाइट पर प्रकाशित हुई थी। दरअसल वह कॉलेज के दिनों में ही फिल्म की कहानी लिखने लगे थे। उन्होंने एमएससी की पढ़ाई के दौरान रॉकी मेंटल की कहानी लिखी और सौभाग्यवश इसे चयनित कर लिया गया। इसके बाद मन में आया कि उन्हें लेखन कार्य को अपना करियर बनाना चाहिए। हाल ही में उनके कुछ प्रोजेक्ट बड़े प्रोडक्शन हाउस से आने वाले हैं। सैनी ने बताया कि उनके फ़िल्मों का सफ़र कुछ ऐसा रहा कि फ़िल्म की कहानी लिखने और अपनी लिखी फ़िल्म थिएटर में देखने का मौका मिल गया था, लेकिन तब भी इधर काम करने का इरादा कम ही था। लेकिन उनकी लिखी हुई पहली दोनों कहानियों पर फ़िल्म बनी, तो उनका खुद पर आत्मविश्वास बढ़ने लगा और उन्हें लगा कि जो वह करने आया था वह उसी राह पर है। फिल्म निर्देशक संजय संजू सैनी का कहना है कि उन्हें इस बात का मलाल रहेगा कि वह डाक्टर नहीं बन पाया। मन में यह ऐसी पीड़ा बस गई कि नौकरी करना उनकी किस्मत में नहीं था, क्योंकि उनका लेखन की तरफ ज्यादा रूझान बढ़ता गया। वह असमंजस में रहे कि फिल्म लाइन का कोई भरोसा नहीं, फ़िल्म बन भी गई तो चलेगी या नहीं, इसका डर अलग रहा। इन सभी सवालों का जवाब उन्हें उनके स्वर्गीय दादा हवा सिंह ने देते हुए दिया कि बेटा खेती कौनसा सिक्योर है? लेकिन हमने भी तो जीवन निकाल लिया और उतार चढ़ाव आना जिंदगी का हिस्सा है। इसलिए जो कर रहे हो उस पर ध्यान रखते हुए शिद्दत से काम करो। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

यहां से मिली मंजिल

लेखक एवं निर्देशक संजय सैनी ने बताया कि उन्होंने कबड्डी खेली है और राज्य स्तर के टूर्नामेंट तक खेला। उन्होंने कालेज की पढ़ाई के दौरान ही खेलों पर फिल्म 'रॉकी मेंटल' की कहानी लिखी और उसे फिल्म के लिए चुना गया। उन्होंने वेबसीरीज फिल्म अखाड़ा (एक और दो), स्कैम, पिंकी भाभी के किरदार की पटकथा लिखी और अभिनय भी किया। अखाड़ा के लिए उन्हें हिफ्फा से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवार्ड भी मिल चुका है। पहलवानों और उनके संघर्ष पर ही आधारित फिल्म 'अखाड़ा' वेबसीरीज को लेकर लेखक संजय सैनी काफी चर्चा में है। इसके निर्माण के लिए उन्होंने काफी समय तक हरियाणा के गांवों और छोटे कस्बों में शोध कार्य करके यह वेब सिरीज लिखी है। वर्तमान में वह बॉलीवुड में दो हिंदी फ़िल्म, एक वेब सीरीज़ में बतौर लेखक और निर्देशक की भूमिका में कार्यरत हैं।

खबर संक्षेप

बदमाशों ने पहले फोन छीना विरोध पर नकदी भी ले गए

रेवाड़ी। बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि सरकुलर रोड पर पैदल चल रहे एक व्यक्ति का दिनदहाड़े फोन छीन लिया। जब उसने फोन छीनने का विरोध किया तो आरोपी उसकी जेब से नकदी भी निकाल ले गए। सिटी पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरूकर दिए। गोकलगढ़ में किराए के मकान में रह रहे खासापुरा मोहल्ला निवासी ललित शर्मा ने सिटी पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि वह सरकुलर रोड पर गर्ल्स स्कूल के सामने अपनी पत्नी का अल्ट्रासाउंड कराने के लिए आया था। किसी कारण से अल्ट्रासाउंड नहीं होने के कारण उसने अपनी पत्नी ऑटो में बैठाकर घर भेज दिया।

एसीपी आफिस के सहायक प्रवाचक की बाइक चोरी

बावल। बाइक चोरों ने एक पुलिस विभाग के सहायक प्रवाचक की बाइक पर ही हाथ साफ कर दिया। कसोला पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद बाइक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। झाबुआ निवासी गुरुग्राम पुलिस के एसीपी ऑफिस में सहायक प्रवाचक के पद पर तैनात है। गत 30 मई को वह अपनी बाइक बणीपुर चौक पर खड़ी करने के बाद गुरुग्राम ड्यूटी पर गया था। रात को वापस आने पर उसे बाइक नहीं मिली। अपने स्तर पर काफी पूछताछ करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका।

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर सीपीएलओ की बैठक

कोसली। गांव में रविवार को नाहड़ खंड के क्रीड पंचायत लोकल आपरेटर यूनियन की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीपीएलओ ने कहा कि सरकार द्वारा उनसे दो विभागों का काम लिया जा रहा है, लेकिन पारिश्रमिक मात्र 6 हजार रुपये मासिक दिया जा रहा है। इस महंगाई के युग में यह सरासर उनका शोषण है। सीपीएलओ ने कहा कि उनकी मुख्य मांग है कि सरकार उनके वेतन में वृद्धि करे तथा वेतन समय पर दिया जाए।

जीएसटी में गोलमाल का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने फर्जी फर्म बनाकर सीजीएसटी व एचजीएसटी में वर्ष 2019 में लाखों रुपये का गोलमाल करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। 5 जनवरी 2019 को पुलिस शिकायत में आबकारी एवं कराधान अधिकारी प्रदीप यादव ने बताया था कि गढ़ी बोलनी रोड पर मैसर्स प्रवीण इंडस्ट्रीज के नाम से फर्म पंजीकृत कराई हुई थी। कराधान निरीक्षक राजीव यादव ने मौके पर जाकर जांच की तो वहां कोई फर्म नहीं पाई गई। पहले एक साइन बोर्ड लगाया हुआ था, उसे भी वहां से हटा दिया गया था। कराधान अधिकारी ने आरोप लगाया था कि फर्म बनाकर अनुपम सिंगला, चरणसिंह, नवीन कुमार और प्रवीण आदि ने सरकार को सीजीएसटी व एचजीएसटी का लाखों रुपये चूना लगाया है। पुलिस ने अधिकारी की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी।

बैठक में पानीपत रैली की तैयारियों पर हुई चर्चा

मांगों को लेकर मिड-डे मील वर्कर्स गरजीं, जमकर नारेबाजी

हमारी मांगों पर सरकार ने सकारात्मक कार्रवाई नहीं की तो 9 जुलाई को हड़ताल में भी शामिल होंगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी से सम्बंधित मिड-डे मील कार्यकर्ता यूनियन से जुड़ी वर्कर्स ने रविवार को बैठक के बाद मांगों को लेकर प्रदर्शन भी किया। बैठक में वर्कर्स ने 5 जून को पानीपत में होने वाली यूनियन की राज्य स्तरीय रैली में जिले से सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति सुनिश्चित कराने का निर्णय लिया। बैठक में यूनियन की राज्य महासचिव कुसुम पांचाल को मनमाने, अलोकतांत्रिक व तानाशाही तरीके से हटाए जाने पर रोष व्यक्त किया गया। कुसुम को तत्काल नौकरी पर वापस लेने की मांग की गई। बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन की जिला सचिव मुनेश देवी ने कहा कि सरकार मिड-डे मील कर्मियों का शोषण कर रही है। हम पूरे दिन स्कूल में खाना बनाती हैं और मानदेय के नाम पर केवल 7000 रुपये महीना मिलते हैं।

रेवाड़ी। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए मिड-डे मील वर्कर्स।

मांगों पर विचार नहीं तो तेज होगा आंदोलन

बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि अगर हमारी मांगों पर सरकार ने सकारात्मक कार्रवाई नहीं की तो हम 9 जुलाई को एआईयूटीयूसी सहित दस केन्द्रीय श्रमिक संगठनों द्वारा आहूत अखिल भारतीय हड़ताल में भी शामिल होंगी। बैठक में सुमन बुड़ाना, बीना पाल्हावास, सन्तोष, बीना मोहदीपुर, राजबाला, रेनू लिसान ,रिंका फिदेड़ी, शीला गुरावड़ा सुशीला गुरावड़ा, शीला हुसैनपुर, सुरज्ञान धारण, शीला देवी चांदावास, संतोष बुडानी, सरला, संतोष मुंढलिया, संतोष पाल्हावास, शीला गोठड़ा आदि सैकड़ों कार्यकतार्ओं एवं नेत्रियों ने भाग लिया।

यह राशि भी समय पर देने की बजाय टुकड़ों में दी जाती है। कभी केंद्र सरकार के हजार रुपए नहीं दिए जाते तो कभी राज्य सरकार का हिस्से का पैसा नहीं दिया जाता। रिटायरमेंट पर कुछ नहीं मिलता। रिटायरमेंट पर उचित पैसा दिया जाए। बैठक में भाड़ावास सर्कल प्रधान मुनेश भाड़ावास ने मांग की कि वर्कर्स को 10 महीने की बजाय 12 महीने का वेतन दिया जाए। यूनियन की उपाध्यक्ष और डहीना ब्लाक प्रधान बरखा देवी ने मांग की कि मिड-डे मील कार्यकतार्ओं को सरकार सामाजिक सुरक्षा प्रदान करके उनको भविष्य निधि, पेंशन, इलाज इत्यादि जरुरी सुविधाएं दी जाएं। यूनियन की सहसचिव भतेरी पाल्हावास ने मांग उठाई कि वर्दी के 2000 रुपये दिये जाएं। बैठक में फैसला लिया गया की इन मांगों को हासिल करने के लिए यूनियन की ओर से 5 जून को पानीपत में हरियाणा के शिक्षा मंत्री के आवास पर भारी संख्या में पहुंचकर धरना दिया जाएगा और मांगों का एक ज्ञापन सौंपा जाएगा।

आर्य समाज मंदिर परिसर में 84 वां वार्षिकोत्सव मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

यहां आर्य समाज मंदिर परिसर में रविवार को आर्य समाज का 84 वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः हवन के साथ की गई। इसके उपरांत भजन व वेद प्रचार कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय वैदिक प्रचारक स्वामी सच्चिदानंद ने समाज में फैले अंधविश्वास, पाखंड, सामाजिक कुरीतियों और देश में बढ़ती हुई इस्लाम व ईसाईयत की विचारधारा से सतर्क रहने का आह्वान किया। उन्होंने ईश्वर तत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दड़ौली आश्रम के स्वामी समर्पणानंद ने वैदिक संस्कृति को बचाने और भगवान राम, कृष्ण के जीवन चरित्र को अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए सत्य सनातन वैदिक धर्म के बारे में भगवान राम, भगवान कृष्ण, महर्षि गौतम, महर्षि कणाद, कपिल , जैमिनी, पतंजलि द्वारा बताए गए वेदों के रास्ते पर चलने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने अविवेक और अज्ञानता का नाश करते हुए तथा जीवन में ईश्वर भक्ति के प्रकाश को आत्मसात करते हुए स्वयं, समाज और राष्ट्र का कल्याण करने के मार्ग पर बढ़ना चाहिए।

कोसली। आर्य समाज के वार्षिकोत्सव में वैदिक शिक्षाओं का प्रचार करते वेद प्रचारक।

फिल्मी स्टाइल में कार चालकों का स्टंट, अटकी रही सांसें

रेवाड़ी। सेक्टर-3 की मार्केट में शनिवार की रात उस समय लोगों की सांसें अटक गई, तो तेज गति से आई दो कारों ने अचानक ब्रेरक लगाकर स्टंट करना शुरू कर दिया। इससे मार्केट में बड़ा हादसा भी हो सकता था। बाद में दोनों कार चालक वहां से चले गए। स्टंटबाजी का वीडियो रविवार को दिन भर वायरल होता रहा। रात को सेक्टर की सड़क पर पहले एक कार काफी तेज गति से आई। उसके चालक ने अचानक ब्रेक लगाए। इसके बाद उसके पीछे दूसरी कार आई। उसके चालक ने भी तेज स्पीड में ब्रेक लगाए। दोनों कारों का मुंह अचानक ब्रेरक लगते ही पीछे की ओर घूम गया। इस दौरान एक बाइक चालक भी चपेट में आने से बच गया। लोगों की सांसे काफी देर तक अटकी रहीं। दो से तीन मिनट तक कार चालक सड़क पर इसी तरह से स्टंट करते रहे। किसी ने इसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया, जो दिन भर चलता रहा। बताया जा रहा है कि मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना देने का निर्णय लिया, परंतु तब तक दोनों कार चालक तेज गति से कार भगाकर वहां से निकल गए।

रेवाड़ी। सेक्टर में स्टंट करने वाली दोनों कार।

डाककर्मी ओमपाल को सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मुख्य डाकघर में कार्यरत ओमपाल शेखपुर की 35 साल की सेवा पूरी होने पर सेवानिवृत्त हो गए। उनकी सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। विभाग की ओर से उन्हें पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया साथ ही मोमेंटो भेंट किए गए। मंच का संचालन गोविंद यादव ने किया। अधिकारियों ने उनके कार्य व्यवहार और ईमानदारी की सराहना की सुपरीटेंडेंट गुरूग्राम मंडल जवाहर सिंह ने बताया की ओमपाल सिंह बचपन से ही पढ़ाई में होशियार रहे थे। राजसिंह पूर्व पोस्टमास्टर ने बताया कि ओमपाल सिंह समाज सेवा करने में अग्रणी भूमिका में रहते हैं। विदाई समारोह में पोस्टमास्टर अशोक गर्ग, सहित सभी स्टाफ सदस्य गण एवं पोस्ट ऑफिस एजेंट मौजूद रहे। परिवार की ओर से उनकी पत्नी सूबे देवी, भूपेंद्र शेखपुर, इंजीनियर पंकज, युद्धवीर सिंह, रविकांत,भूपसिंह, मधु, नीलम, सुमन देवी एमपीएस, नीतू, सुषमा, हिमांशी, गर्विता, काव्या, तनुज, चिमेश, सहित कई लोग शामिल हुए हुए। गणमान्य लोग भी शामिल हुए समारोह में ओमपाल शेखपुर की ओर से विदाई पार्टी दी गई इसमें विभाग के कर्मचारियों के अलावा सामाजिक संगठनों के कई नागरिक शामिल हुए। मेघवाल उत्थान समिति अंबेडकर सेवा समिति जिला इकाई की ओर से पगड़ी मोमेंटो और शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। अनिल बाबू, अभिमन्यु राव, अनिल रायपुर, टिंकू चेयरमैन, वेदप्रकाश, वीरेंद्र चेयरमैन आदि मौजूद रहे।

रेवाड़ी। विदाई समारोह में ओमपाल के साथ मौजूद लोग।

समस्याओं का किया जा रहा समाधानः लक्ष्मण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान क्षेत्र की जनता ने उन्हें भरपूर प्यार, सहयोग व समर्थन देकर अपना ऋणी बना लिया है। वह भी एक बेहतर वकील बनकर हर स्तर पर क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण कराने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। गांव-देहात की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निदान कराना उनकी प्राथमिकताओं में है। उन्होंने ग्रामीणों को आगामी 15 जून को रेवाड़ी में होने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की रैली का निमंत्रण भी दिया।

यादव ने कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र की जनता ने गत विधानसभा चुनाव में नया इतिहास लिखने का कार्य किया है। इस क्षेत्र की बदहाली के लिए जिम्मेवार लोगों को जनता ने करारा सबक सिखाने का कार्य किया है। अब तक सत्ता पर काबिज लोगों ने केवल अपने स्वार्थ के लिए कार्य किया। इसी का परिणाम है कि उन्हें विरासत में समस्याओं का पहाड़ मिला है। ग्रामीणों के बीच धन्यवाद करने में देरी होने का कारण भी यही रहा है। क्योंकि पिछले करीब छह से अधिक माह से वह इलाके की समस्याओं के निदान की दिशा में पूरा होमवर्क करने में लगे हुए थे। तमाम विभागों के अधिकारियों के साथ बैठकें, समस्याओं की समाधान की दिशा में उठाए जाने वाले कदमों, होने वाले कार्यों की रुपरेखा समेत सभी बिंदुओं पर पूरी गंभीरता के साथ काम चल रहा है तथा आने वाले समय में हमारी रेवाड़ी पूरी तरह से बदली-बदली दिखाई देगी।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक लक्ष्मण सिंह यादव।

सीएम की रैली में आने का निमंत्रण

विधायक ने कहा कि सभी को आगामी 15 जून को अनाजमंडी में आयोजित होने वाली मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की रैली का निमंत्रण देते हुए कहा कि यह रैली रेवाड़ी के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। इस दिन मुख्यमंत्री रेवाड़ी को करीब 250 करोड़ की सौगात देंगे। सीएम इस क्षेत्र की मांगों व समस्याओं को लेकर बेहद गंभीर हैं तथा यहां की मांगों एवं समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निदान करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि केवल रेवाड़ी ही नहीं अपितु प्रदेशभर में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को पूरी पारदर्शिता के साथ अमलीजामा पहनाया जा रहा है।

इन गांवों में किया विधायक ने दौरा

विधायक अपने धन्यवादी दौरों की कड़ी में रविवार को क्षेत्र के गांव रामगढ़, भगवानपुर, मीरपुर, गोकलपुर, कुंभावास, रसगण तथा डूंगरवास में आयोजित धन्यवादी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। सभी गांवों में विधायक लक्ष्मण यादव का पार्टी कार्यकतार्ओं एवं ग्रामीणों की ओर से फूलमालाओं से लादकर, पगड़ी पहनाकर व ढोल-बाजे के साथ जोरदार स्वागत किया गया।

प्राचीन शिव मंदिर में हुआ हवन व भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कोसली के प्राचीन शिव मंदिर में शनिवार रात्रि जागरण तथा रविवार प्रातः भंडारे का आयोजन किया गया। जागरण में स्थानीय भजन मंडलियों ने अपने भजनों से भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया। प्रातः आयोजित हवन में श्रद्धालुओं एवं दूर दराज से आए साधु संतों ने आहूति डालकर विश्व में शांति व कल्याण की कामना की। भंडारे में हजारों लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंदिर के महाराज बाबा रविंद्रदास, लाल सिंह, प्रकाश, तेजपाल यादव , राजेश प्रधान, रोहित यादव, बिजेंद्र, रतन सेठ, जगदेव, होशियार सिंह, अजय, उदयभान भारद्वाज, रिंकू कोसलिया, कमल यादव, नरेन्द्र सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

योग दिवस के लिए शुरू की आनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि आगामी 21 जून को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जिला में योग प्रोटोकॉल की पालना करते हुए गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा। इस अवसर पर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आयुष विभाग ने विशेष ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल और टोल-फ्री नंबर जारी किया है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी योग दिवस पर लोगों की अभूतपूर्व भागीदारी रहेगी और जन-जन तक योग का संदेश पहुंचेगा। डीसी मीणा ने बताया कि आयुष विभाग ने विशेष पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। नागरिक 9501131800 पर कॉल करके भी रजिस्ट्रेशन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। डीसी ने सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में योग दिवस के आयोजन की व्यापक तैयारी करने और अधिक से अधिक लोगों को ऑनलाइन पंजीकरण के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए हैं।

रेवाड़ी। योग दिवस के लिए तैयार किया गया लोगो।

समान रूप से कराया जा रहा गांवों का विकासः मनोज यादव

रेवाड़ी। चौपाल का शिलान्यास कराते हुए जिला प्रमुख मनोज यादव।

खोरी । जिला प्रमुख मनोज यादव ने कहा कि गांवों के विकास के लिए जिला परिषद के पास पर्याप्त धन उपलब्ध है। सभी गांवों में समान रूप से विकासकार्य कराए जा रहे हैं। वह रविवार को गोविंदपुरी में चौपाल का शिलान्यास करने के बाद ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और कैबिनेट मंत्री आरती राव की मंशा है कि पूरे इलाके में ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास हो। उनके मार्गदर्शन में ही जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकासकार्य कराए जा रहे हैं। जिला परिषद की ओर से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों की समस्याओं का भी तुरंत निराकरण कराया जा रहा है। जिन गांवों में विकासकार्यों की दरकार है, उन गांवों के विकास पर पूरा पैसा खर्च किया जा रहा है। इस मौके पर जिला प्रमुख मनोज यादव का पगड़ी और फूलमालाओं से स्वागत किया गया। सरपंच प्रतिनिधि संजय यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण इस मौके पर मौजूद थे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर किया जागरूक नशे के दुष्प्रभावों पर दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेवाड़ी की ओर से बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में आमजन को तंबाकू और नशा सेवन के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। साथ ही संबंधित विधिक प्रावधानों की जानकारी दी गई। बस स्टैंड पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में अधिवक्ता भारती अरोड़ा एवं पैरा लीगल वॉलेंटियर प्रियंका यादव ने लोगों को तंबाकू और नशा सेवन के दुष्परिणामों से अवगत कराया। संबंधित विधिक प्रावधानों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान धूम्रपान निषेध कानून, तंबाकू सेवन के स्वास्थ्य पर प्रभाव, तथा नशा उन्मूलन से संबंधित विधिक उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विशेष रूप से नालसा की योजना 'नशा पीड़ितों को विधिक सेवा एवं नशा उन्मूलन योजना-2015' के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही नागरिकों को 15100 विधिक सहायता हेल्पलाइन तथा नालसा विधिक सेवा पोर्टल के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में भी अवगत कराया गया। विधिक जागरूकता का पहुंचाया संदेश कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों तक विधिक जागरूकता का संदेश पहुंचाया गया, जिससे वे तंबाकू और नशे से दूर रहकर एक स्वस्थ व सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित हुए।

रेवाड़ी। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए आयोजक।

रेलवे स्टेशन पर बनाया गया हेल्प डेस्क

रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में जहां एक विधिक सहायता डेस्क स्थापित कर अधिवक्ता विक्की विग एवं पीएलवी धीरेज कुमार द्वारा यात्रियों और आम नागरिकों को तंबाकू सेवन की रोकथाम से संबंधित कानूनों और उसके दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई।

कृषि से जुड़े विभागों की टीमों ने 6 गांवों में दौरा किया

किसानों को दी गई योजनाओं की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत रविवार को कृषि से जुड़े विभागों की टीमों ने 6 गांवों में किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। किसानों को इन योजनाओं को लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र बावल, कृषि विज्ञान केंद्र रेवाड़ी, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन विभाग बागवानी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विभागों की टीमों ने रसगन, खलियावास, जाट सायरवास, कसौला, बगथला व पातुहेड़ा में किसानों के बीच जाकर उन्हें कृषि संबंधी योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विभाग के एसडीओ दीपक यादव ने बताया कि तीन विशेष टीमों ने किसानों से संवाद किया और उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं के बारे में जानकारी दी। अभियान के अंतर्गत कुल 700 से अधिक किसानों ने भाग लिया, जिनमें कई प्रगतिशील किसान भी शामिल रहे। वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, पशुपालन, मत्स्य पालन और बागवानी से जुड़ी योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. विश्वजीत सिंह, मनोज कुमार, रूप सिह, पशु चिकित्सा सर्जन, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, मनोज जाखड़, प्रवीन पशु चिकित्सक आदि ने किसानों से सीधा संवाद किया। फसल विविधिकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, सौर ऊर्जा से चलने वाले सिंचाई पंप, जैविक खेती, बागवानी और डेयरी परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देते हुए किसानों को प्रेरित किया कि वे नई तकनीकों को अपनाकर अपनी आमदनी को दोगुना करें। यह अभियान किसानों की जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा है।

खबर संक्षेप

पॉलिसी डिएक्टिव कराने के नाम पर ठगी

रेवाड़ी। साइबर ठगों ने मेडिकल इंश्योरेंस पॉलिसी डिएक्टिव कराने के नाम पर कुतुबपुर के एक व्यक्ति को ठगी का शिकार बना दिया। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

पुलिस शिकायत में नरेंद्र कुमार ने बताया कि उसके पास 20 मई को एक कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने उसे बताया कि उसके क्रेडिट कार्ड पर मेडिकल इंश्योरेंस पॉलिसी एक्टिवेट है। अगर उसे पॉलिसी डिएक्टिवेट करानी है, तो व्हाट्स एप पर भेजे गए लिंक पर क्लिक करे। इससे उसकी पॉलिसी डिएक्टिवेट हो जाएगी। लिंक पर क्लिक करते ही उसके क्रेडिट कार्ड से चार ट्रांजेक्शन के जरिए 92716 रुपये उड़ा दिए गए। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिनमें उसकी राशि ट्रांसफर की गई है।

आंधी के कारण बाधित हुई फीडरों की बिजली

रेवाड़ी। रविवार को शाम के समय मौसम में बदलाव के कारण आंधी के कारण कई फीडरों की बिजली आपूर्ति बाधित रही। इससे बिजली उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। शाम के समय आंधी आने के बाद दो दर्जन से अधिक फीडरों को बंद कर दिया गया। आंधी थमने के बाद इन फीडरों को फिर से चालू किया गया, परंतु कई फीडर लाइनों में फॉल्ट आने के कारण चालू नहीं हो सके। इसके बाद निगम कर्मियों ने लाइनों की पेट्रोलिंग करते हुए बारी-बारी से फीडरों को चालू कराया गया। शहरी क्षेत्र में भी शाम के समय आंधी आने के बाद बिजली बाधित रही, जिससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। आंधी ज्यादा तेज नहीं होने के कारण इससे बड़ा नुकसान होने से टल गया। इससे पूर्व 24 मई की रात आई तेज आंधी से बिजली के 300 से ज्यादा पोल टूट गए थे, जबकि 80 के आसपास ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए थे।

दो दिन से गिर रही फुहारें, इस सप्ताह भी परिवर्तनशील बना रहेगा मौसम

नौतपा का आज अंतिम दिन, जेठ में सावन महीने जैसा मौसम

■ लोगों को भारी गर्मी से काफी हद तक राहत मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

गत 25 मई को शुरू हुए नौतपा की 2 जून को समाप्ति हो जाएगी। नौतपा के दिनों में भारी गर्मी पड़ने की बजाय मौसम ज्यादातर ठंडा निकला है। शाम के समय जिले औसतन 20 एमएम तक बरसात हुई समाचार लिखे जाने तक बारिश जारी रही। पिछले दो दिन से आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी हुई, जिससे जेठ के महीने में ही सावन जैसा मौसम बन गया।

लोगों को भारी गर्मी से काफी हद तक राहत मिली हुई है। इस सप्ताह भी मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। सप्ताह के मध्य अच्छी बरसात होने की संभावना जताई जा रही है। रविवार को शाम के समय आंधी के साथ कई इलाकों में हल्की बरसात भी हुई। रविवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। सुबह के समय कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। दोपहर के समय एक बार तेज धूप निकलने के बाद एक बार फिर से आसमान में बादल गहरा गए। इससे बरसात की संभावना बनी रही।

सुबह से ही मौसम का मिजाज ठंडा बना रहा। दोपहर के समय धून निकलने के बाद उमस ने कुछ देर के लिए खूब परेशान किया, परंतु शाम के समय मौसम फिर से ठंडा हो गया। रविवार को अधिकतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस गिरकर 32.5 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान 1.0 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 22.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गत वर्ष 1 जून को अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए थे। इस बार तापमान सामान्य से नीचे चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन-चार दिन तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान आसमान में बादलों और तेज हवाओं के बीच हल्की बारिश हो सकती है। 4 जून को मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

रेवाड़ी। एक खेत में खड़ी फसल पर छाई हरियाली। फोटो : हरिभूमि

धरती तपने की बजाय ठंडी रही

प्राचीन मान्यता है कि नौतपा में भारी गर्मी पड़ने से जमीन तपती है। अगर इन 9 दिनों में भारी गर्मी पड़ती है, तो इससे मानसून के समय जोरदार बारिश होती है। इसके विपरीत अगर नौतपा के दिनों में बारिश होती है, तो इससे मानसून में बारिश की कमी रहती है। सूखा पड़ने की संभावना भी रहती है। इस बार नौतपा शुरू होने से पहले ही अच्छी बरसात हो गई, जिससे 8 दिनों में तापमान सामान्य से कम बना रहा। नौतपा खत्म होने से पहले कई इलाकों में बूंदाबांदी ने धरती तपने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

सूखी जमीन की जगह हरियाली

ज्येष्ठ माह के दौरान पड़ने वाली भारी गर्मी से धरती अक्सर सूखी और खाली नजर आती है। तापमान बढ़ने से पेड़ों के पत्ते तक पीले होकर गिरने लगते हैं। बार-बार मौसम का मिजाज बदलने से इस बार पेड़ों से लेकर खेतों तक पर हरियाली छाई हुई है। मई माह के अंत में हुई बरसात के बाद किसानों ने बाजरे की अगेती बिजाई तक कर दी थी। बड़ी संख्या में किसान कपास की बिजाई भी कर चुके हैं। इससे खेतों में चारों ओर हरियाली नजर आने लगी है। किसानों ने फसल बिजाई के लिए जमीन भी तैयार की हुई है।

बिजली निगम को मौसम से राहत

जेठ माह के दौरान पड़ने वाली भारी गर्मी बिजली निगमों के लिए आफत बन जाती है। गर्मी में मांग बढ़ने के कारण एक ओर जहां बिजली का लोड बढ़ जाता है, तो दूसरी ओर अधिक तापमान में ट्रासंफार्मर खराब होने की आशंका बनी रहती है। इस बार मई माह के दौरान लगभग एक सप्ताह तक तापमान 45 डिग्री के आसपास बना रहा था, जिससे बिजली निगमों के सामने संकट खड़ा हो गया था। मौसम अनुकूल होने के बाद बिजली की खपत कम हो गई है, जिससे निगमों को राहत मिल रही है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद संस्था के पदाधिकारी व अन्य लोग। फोटो : हरिभूमि

शरीर में आक्सीजन की मात्रा बढ़ाता है खुलकर हंसना

■ खुलकर हंसने से न केवल चेहरे की सुंदरता बढ़ती है साथ ही देखा गया है कि हंसमुख व्यक्ति के सामाजिक व पारिवारिक संबंध ज्यादा मधुर होते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था के तत्वाधान में रविवार को स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम 'खुलकर हंसे-स्वस्थ रहें' का आयोजन पंजाबी धर्मशाला पर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोटरी क्लब आफ रेवाड़ी मेन के प्रधान मनीष अरोड़ा सफाई मित्र, प्रमुख चिकित्सक डा. आत्मप्रकाश यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि खुलकर हंसने से शरीर में एंडोर्सिन नाम का कैमिकल बनने लगता है, जिससे खून में आक्सीजन की मात्रा तेजी से बढ़ती है। शरीर में रोग प्रतिरोधात्मक शक्ति में तेजी से वृद्धि होती है।

उन्होंने कहा कि खुलकर हंसने से न केवल चेहरे की सुंदरता बढ़ती है साथ ही देखा गया है कि हंसमुख व्यक्ति के सामाजिक व पारिवारिक संबंध ज्यादा मधुर होते हैं। इसलिए हमेशा प्रसन्न रहें, खुलकर हंसे। उस दिन को आप बेकार समझें जिस दिन आप खुलकर हंसे नहीं। संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता, शिक्षाविद डॉ बलबीर चक्रवर्ती, प्रोफेसर सी एल सोनी व शिक्षाविद राजेंद्र सिंह यादव ने कहा कि चौरासी लाख योनियों में भगवान ने केवल मनुष्य को ही हंसने का वरदान दिया है। इसलिए जीवन में प्रसन्नता को अपनाएं। हंसते-हंसते जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को छुएं।

यह रहे कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद

पूर्व नगर प्रधान सुचित्रा चांदना, सरोज भारद्वाज, भाजपा नेत्री दीपा भारद्वाज, शिक्षाविद मधु गुप्ता, पर्यावरण प्रेमी प्रीति कपूर व संस्था की महिला प्रधान निशा सीकरी, राजेंद्र गेरा, सुरेंद्र सिंह मुंडलिया, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, सोनिया कपूर, हिमांशु पिपलानी, प्रमोद जाजोरिया, पुरुषोत्तम नंदवानी आदि कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद रहे।

योग दिवस को लेकर पुलिसकर्मियों के परिजनों को सिखाए योग के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

■ आयुष विभाग के योगाचार्य पिंकी यादव, पवन व सतीश सुबह पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों के परिजनों को योगासन सिखाने के लिए पहुंचे थे

आगामी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को योग प्रोटोकॉल ट्रेनिंग के तहत रविवार को पुलिस लाइन में आयुष विभाग के योग सहायकों ने पुलिसकर्मियों के परिजनों को योग के गुर सिखाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के परिजनों ने योगासन की ट्रेनिंग ली। आयुष विभाग के योगाचार्य पिंकी यादव, पवन व सतीश सुबह पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों के परिजनों को योगासन सिखाने के लिए पहुंचे थे। वहां पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्यों ने उत्साह के साथ योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर सूर्य नमस्कार, प्राणयाम, कपालभाती, अनुलोम-विलोम व दूसरी योग क्रियाओं की अभ्यास कराया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों का एक हिस्सा है, जिसके तहत योग की ट्रेनिंग दी जा रही है।

रेवाड़ी। पुलिस लाइन में योगाभ्यास करते पुलिसकर्मियों के परिजन। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। वाहन चालकों को मीठा पानी पिलाते ग्रामीण बच्चे व युवा। फोटो : हरिभूमि

बच्चों ने राहगीरों को मीठा जल पिलाकर पुण्य कमाया

नांगल मूंदी। देहलावास गुलाबपुरा के बच्चों और युवाओं ने रविवार को गांव के बस स्टैंड पर छबील लगाकर राहगीरों को मीठा जल पिलाया। रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ रोड पर गुजरने वाले सैकड़ों लोगों ने मीठे पानी से प्यास बुझाई। इस अवसर पर गांव सरपंच प्रतिनिधि सुंदर ने कहा कि गर्मी के मौसम में प्यासे को पानी पिलाना बहुत पुण्य का काम है। सामाजिक लोगों को समय समय पर धर्म कर्म करते रहना चाहिए। गर्मी के मौसम में लोगों को बेजुबान पक्षियों का भी ध्यान रखना चाहिए। अपने घर की छत पर व पेड़ो पर पक्षियों के लिए भी पानी के सकोरे रखकर नियमित भरने चाहिए। इस धार्मिक कार्य में राजकुमार, दक्ष, मिलन, लक्ष्य, मयंक, धीरज, कमल और पंकज सहित सभी बच्चों का सहयोग रहा।

शिव मंदिर के भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

प्राचीन शिव मंदिर में रविवार को भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सुबह हवन यज्ञ के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं का आवागमन रहा। मंदिर के महंत रविंद्र दास महाराज ने बताया की लोगो की अपार श्रद्धाभाव का परिणाम है जो इतनी बड़ी तादाद में श्रद्धालु आज भंडारे में उपस्थित हुए। इस मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है, जिसमें श्रद्धालु अपना योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर लाल सिंह, प्रकाश, तेजपाल यादव, राजेश प्रधान, रोहित यादव एडवोकेट, बिजेंद्र, रतन सेठ, जगदेव, होशियार सिंह के साथ-साथ समस्त कमेटी के सदस्य और श्रद्धालु उपस्थित थे।

कोसली। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

चिकित्सा शिविर में 156 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को श्रीकृष्ण भवन में आयोजित मुफ्त चिकित्सा शिविर में 156 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। जांच के बाद जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त दवाएं भी दी गईं। संस्था के प्रवक्ता सतीश यादव ने बताया कि हर सप्ताह लगने वाले शिविर में बड़ी संख्या में मरीज विशेषज्ञ डॉक्टरों से जांच कराते हैं। जांच के बाद मरीजों को मुफ्त दवाइयां दी जाती हैं। शहर के यादव समाज से जुड़े विशेषज्ञ डॉक्टर मरीजों को परामर्श व उपचार देते हैं। शिविर को सफल बनाने में प्रधान रामबीर यादव, प्रो. आरएस यादव, जसवंत सिंह यादव, डा. यशपाल यादव, शशी भूषण यादव, सुरेंद्र सिंह, अमर सिंह व गोकलराम आदि ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

रेवाड़ी। शिविर में मरीजों की जांच करते डॉक्टर व जांच के लिए आए मरीज। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। सम्मान समारोह में उपस्थित क्लब के पदाधिकारी व सदस्य।

इनको किया गया सम्मानित : कार्यक्रम में लायन बनवारी लाल अग्रवाल, डॉ. आदेश सक्सेना, लायन विष्णु डाटा, लायन ओपी गुप्ता, लायन अनिल भार्गव, लायन विपिन भार्गव ,लायन रूपचंद गुलाटी, लायन राजेश गुप्ता, लायन राकेश गर्ग लायन संदीप गोयल,लायन हेमंत सिंहल,लायन कुणाल शर्मा,लायन जितेश गोयल,लायन सचिन गुप्ता ,लायन मोहित गोयल , लायन डॉ. रिजुल सैनी के साथ साथ रितु भार्गव, पल्लवी अग्रवाल, सीमा सिंहल, शेफाली गोयल, पूजा भार्गव, कल्पना अग्रवाल को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

लायन्स क्लब रेवाड़ी का सम्मान समारोह सम्पन्न

■ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन एनके गुप्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

लायंस क्लब रेवाड़ी द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन एनके गुप्ता तथा मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन तेजपाल सिंह खिल्लन रहे।

क्लब के वरिष्ठ सदस्य लायन बृजलाल गोयल कार्यक्रम के चेयरमैन रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में लायन अशोक सोमानी ने सभी मेहमानों का शाब्दिक अभिनंदन किया। क्लब के प्रधान लायन रितेश भार्गव ने पूरे साल में किए गए कार्यों का ब्योरा दिया। वर्ष भर के दौरान क्लब द्वारा किए गए कार्यों के लिए क्लब सदस्यों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उनको सम्मानित किया गया।

लायन रजनीकांत सैनी के मंच संचालन में चले कार्यक्रम में दिल्ली से आए मेहमानों में लायन अदीप जैन, लायन जयदीप कत्याल, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एचएस सिंघानिया को भी सम्मानित किया गया। सत्र 2025-26 के लिए लायन ऋषि सिंहल को निर्विरोध क्लब का अध्यक्ष बनाया गया। लायन अभिषेक गुप्ता को सचिव तथा लायन दीपक अग्रवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इस अवसर पर एडवोकेट अजय अग्रवाल, एडवोकेट मुकेश जैन, एडवोकेट महेंद्र चक्रवर्ती, राकेश भार्गव, वीकेश भार्गव, शरत कुमार भार्गव,राहुल भार्गव एडवोकेट, मनीष गोयल, रीगन भार्गव आदि अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

समारोह देशभर में आयोजित कार्यक्रमों में से एक था

अहिल्याबाई जयंती पर किया गया महिलाओं को सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जन्म जयंती के उपलक्ष्य में जाट धर्मशाला में 'वीर नारी सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। यह समारोह देशभर में आयोजित कार्यक्रमों में से एक था, जिसका उद्देश्य महिलाओं के सामाजिक योगदान और साहस को सम्मानित करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. पूनम यादव ने की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुशीला यादव मौजूद रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सीए सरिता यादव तथा मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डा. अदिति पासवान उपस्थित रहीं। डा. पासवान ने अपने भाषण में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवनवृत्त, नारी नेतृत्व और सामाजिक योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम में समाज की प्रेरणास्त्रोत वीर नारियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इस आयोजन के संयोजक डा. रामबाबू यादव, सह-संयोजक सीए निधि गौतम व संजय डाटा ने सक्रिय भूमिका निभाई।

रेवाड़ी। महिला को सम्मानित करते आयोजक व कार्यक्रम में मौजूद लोग। फोटो : हरिभूमि

नारी योगदान की स्मृति में पहल

संयोजक डा. रामबाबू यादव ने बताया कि यह समारोह महिला सशक्तिकरण, समाजसेवा और ऐतिहासिक नारी योगदान की स्मृति में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। अखिल भारतीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, जिसके अंतर्गत जिले में 50 कार्यक्रमों के माध्यम से लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के आदर्शों को जनमानस तक पहुंचाया गया है।